पौलुस और बरनाबास नये विश्वासियों को नई कलीसियाओं में लाते हैं।

प्रार्थना: ''प्यारे पिता, इस अध्ययन को इस्तेमाल कर कि हमारे बच्चे देख सके कि आप किस प्रकार प्रसन्न होते हैं जब हम जाकर दूसरों को आपके पुत्र प्रभु यीशू के बारे में बताते हैं।

उस कार्यक्रम को चुने जो बच्चो की आयु और ज़रूरत के अनुसार हो।

1. पौलुस और बरनाबास के बारे में बताने की तैयारी करें।

कृपया प्रेरितो के काम 14 को पढ़े कि पौलुस और बरनाबास ने किस प्रकार नई कलीसियाओं का आरम्भ किया।

प्रेरितो के काम 13:1-3 में पाते हैं कि अन्ताकिया के विश्वासियों ने क्या किया कि पौलुस और बरनाबास को नये कार्य के लिए दूसरी जगह भेजा गया। *(उत्तर प्रश्नों के नीचे दिये गये हैं।)*

1) कलीसिया ने पौलुस और बरनाबास को कौन से शहर में भेजा था?

2) पवित्रात्मा ने अन्ताकिया के विश्वासियों से क्या कहा?

(उत्तर:

1) अन्ताकिया, एक ऐसा शहर जो अब तुर्की में है।

2) पवित्रात्मा ने विश्वासियों से कहा कि पौलुस और बरनाबास जिस कार्य के लिए पवित्रात्मा द्वारा बुलाये गये हैं उन्हें अलग करो, पवित्रात्मा चाहता था कि वे दोनों प्रभु यीशु का सुसमाचार उन लोगों को सुनाये, जिन्होने अभी तक नहीं सुना।)

प्रेरितो के काम 14:8-23 में पाते हैं जो कुछ लुस्त्रा में हुआ

1) ऐसा क्या हुआ जिससे लोग आश्चर्यचकित हो गये?

2) पहले पहले लोगों ने पौलुस और बरनबास को क्या सोचा?

3) पौलुस और बरनाबास ने लोगों को अपनी अराधना करने से कैसे रोका?

4) भीड़ ने पौलुस के साथ क्या किया जब दूसरें लोग वहाँ आकर उत्तेजित हुये?

5) क्या पौलुस और बरनाबास ने लोगों को यीशू के बारे में बताना छोड़ दिया?

6) पौलुस और बरनाबास ने वापिस आने से पहले क्या किया, जिससे चेले अगुवा बन सके?

(उत्तर:

1) *पौलुस ने एक लंगड़े मनुष्य को जिसे विश्वास था कि वह चंगा हो जायेगा देखा और परमेश्वर ने उसे चंगा किया।,*
2) *उन्होंने बरनाबास को मूर्तिपूजक का परमेश्वर देवता ज्यूस और पौलुस को मूर्तिपूजक का परमेश्वर हिरमेस कहा।*
3) *उन्होंने लोगों से कहा कि वे भी मनुष्य है और जीवित परमेश्वर का सुसमाचार सुनाते हैं।*
4) *उन्होंने पौलुस पर पथराव किया और उसे घसीटकर शहर से बाहर फेंक दिया, यह सोचकर कि वह मर गया है।*
5) *पौलुस और बरनाबास लगातार लोगों को यीशू के बारे में बताते रहे।*
6) *प्रेरितो ने प्राचीनों का नियुक्त किया जो नई कलीसियाओं का नेतृत्व कर सकें।*

एक शिक्षक और बड़ा बच्चा पौलुस और बरनाबास ने किस प्रकार एक लगंड़े मनुष्य को लिस्त्रा में ठीक किया और उसके बाद की घटनायें कहानी के रूप में सुना सकते हैं। (प्ररितो के काम 14:8-23)

भाग 1 में से बच्चों से प्रश्न पूछें।

प्रेरितो के कार्य 14:8-23 में से पढ़कर पौलुस और बरनाबास ने जो किया उसका नाटक के रूप में प्रस्तुत करें। आराधना के समय व्यस्क लोगों के सम्मुख प्रस्तुत करें। आप कहानी में से चुन सकते है कुछ भागों को या पूरा करें। बड़े बच्चे जवान बच्चो की तैयारी में मदद करें।

- बड़े बच्चे पौलुस, लगंड़ा मनुष्य और वाचक के पात्र बने।
- जवान बच्चे बरनाबास भीड़ और पथराव करने वाले बन सकते हैं।

वाचक: आयत 8 और 9 पढ़े।

पौलुस और बरनाबास: लंगड़े मनुष्य के पास जायें।

पौलुस: ''यीशू के नाम से चंगा हो जा!''

लंगड़ा मनुष्य: कूदता है और चलने लगता है। चिल्लाता है ''मैं चंगा हो गया''।

भीड़: झुक कर चिल्लाते हुये, ''परमेश्वर, मनुष्य के रूप में नीचे उतर आये हैं"

"हमारे बीच में। यह तो भगवान ज्यूस और हिरमेस हैं।"

''फूलों के हार फाटको पर लाकर और एक बैल लाकर बलिदान चढ़ाओ।''

पौलुस: के शब्द पद 15 से बोले।

वाचक: आयते 18 और 19 पढ़े।

पथराव करने वाले: पौलुस और बरनाबास की ओर गुस्से से दिखाते और चिल्लाते हुये:

''इन मनुष्यों ने, पौलुस और बरनाबास, आप लोगों को धोखा दिया है।''

''शैतान की ताकत से यह ऐसी चाले चलते हैं।''

''ये लोग आपके मंदिरों और रीति रिवाजों को खतम कर देगें।''

''वे पौलुस पर पत्थर फेकने का नाटक करते हुये। पौलुस गिर पड़ता है।

वाचक: आयतें 20-23 तक पढ़े और उन सभी का धन्यवाद करें जिन्होंने नाटक में सहयोग किया

अगर बच्चे यह नाटक व्यस्क लोगों के लिये प्रस्तुत करते हैं, तब वह बच्चे प्रेरितो के काम 14 से जैसे ऊपर दिया गया है, प्रश्न पूछें.

मरकुस 4:1-20 के अनुसार नैतिक कथा करके दिखायें जिसमें एक किसान अपने खेत में अनाज बोता है।

- हर एक बच्चे के हाथ में चावल की एक बाल दें या साधारण रूप से अनाज दिखाने के लिए पकड़े रहें।
- अनाज को दिखाकर लोगों को समझायें कि किस प्रकार यीशू अपने राज्य के बारे में बताते हैं कि जो लोग उन्हें ग्रहण करते हैं किस प्रकार फलते फूलत हैं। यीशू कहते हैं कि जो अच्छी भूमि पर अनाज बोता है, वह उगता है और बहुतायत से फल लाता है।
- अच्छी और बूरी मिट्टी क्या है। बतायें।
- बतायें कि जब पौलुस और बरनाबास लिस्त्रा और दूसरे शहरों में गये, उन्होंने परमेश्वर के राज्य का बीज बोया। नई कलीसियायें उठी और उन्होंने काम करने वालो को भेजा कि दूसरे स्थानों में ज्यादा से ज्यादा बीज बोयें।

कविता: चार बच्चे बारी बारी से यशायाह 42:1,4,6 व 7 आयतों को पढ़े।

स्मरण करनेवाली आयत: प्रेरितो 1:8

प्रार्थना: ''परमेश्वर हमारी सहायता कीजिये जिससे हम पौलुस और बरनाबास के समान विश्वासयोग्य और बहादूर बन सके, जिससे हम दूसरो को सुसमाचार सुना सके हम चाहते हैं दूसरे स्थानों में रहने वाले लोग भी प्रभु यीशू के बारे में जान सके और विश्वाव्यापी परमेश्वर की देह का एक भाग बन सके।''

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net